बेस्ट बचेगी तो बेस्ट दिवस भी मनाया जायेगा!

दोस्तों, ७ अगस्त को बेस्ट दिवस के रूप में मनाया जाता है। लेकिन वर्तमान समय में बेस्ट को इतनी दयनीय स्थिति में पहुंचा दिया गया है कि हमें समझ में नहीं आ रहा है कि हम किस बात की ख़ुशी मनाएं? बी.एम्.सी., बेस्ट प्रशासन और सरकार की तिकड़ी ने मुंबई की अत्यावश्यक बस सेवा को ऐसी स्थिति में धकेल दिया है कि यह सेवा बच पायेगी की नहीं और बची तो किस रूप में बचेगी यही हमारे सामने प्रमुख सवाल है।

२०१० में बेस्ट के पास ४३८५ बसों का मजबूत बेडा (**fleet**) था। इस साल, जुलाई के आते-आते बसों की संख्या घटकर २५९४ हो गयी है जिसमे से सिर्फ ४३७ बसें बेस्ट की अपनी बसें हैं।

खुद खड़े किये गए इस संकट को हल करने के घोषित उद्देश्य के लिए अब बी.एम्.सी., बेस्ट प्रशासन और सरकार ने बेस्ट की मूल्यवान सार्वजनिक जमीनों को बेचना शुरू कर दिया है जिसे वे पुनर्विकास का नाम देते हैं। ये सारी बातें बेस्ट को पूरी तरह से बंद करने की ओर इशारा करती हैं। बढे हुए किराये, बसों की घटती संख्या, बंद किये गए बस मार्ग और बसों की खस्ता हालत के कारण मुंबई के लोगों को बहुत तकलीफ़ उठानी पड़ रही है।

मुंबई के नागरिक जानना चाहते हैं कि

- भारत की सबसे अमीर महानगरपालिका बेस्ट के बजट को अपने बजट के साथ मिलाने के लिए इनकार क्यों कर रही है?
- मनपा कानून १८८८ के अनुसार बेस्ट प्राधिकरण मुंबई महानगरपालिका का अविभाज्य अंग है और कलम १२६ तथा १३४ के अनुसार बेस्ट को आर्थिक सहायता देना उसी की जिम्मेदारी है। फिर मुंबई मनपा इस जिम्मेदारी से इंकार क्यों कर रही है?
- जब घाटे में चल रही मेट्रो सेवा के लिए लगभग एक लाख करोड़ का कर्ज लेकर खर्च किया गया है तो बेस्ट के साथ यह भेदभाव क्यों?
- बेस्ट की पुरानी सुरक्षित और आरामदेह बसों की जगह ठेकेदारों से छोटी, रखरखाव के अभाव में अक्सर ख़राब होने वाली या जलकर ख़ाक होने वाली निजी मालिकाने की बसें ठेकेपर क्यों ली जा रही हैं?
- बेस्ट की सार्वजनिक जमीनों के पुनर्विकास का फायदा किसको होने वाला है?
- नए - नए द्रुतगति मार्ग, पुल, मेट्रो इत्यादि बनाने के लिए इस सरकार के पास बहुत पैसा है लेकिन मेहनतकशों के लिए अत्यावश्यक बेस्ट जैसी सार्वजनिक सेवा चलाने के लिए इसके पास पैसे क्यों नहीं है?
- नागरिकों के लिए किफायती, आरामदेह और सुरक्षित सार्वजनिक परिवहन सेवा किसी भी राजनैतिक पार्टी के चुनावी मुद्दों में शामिल क्यों नहीं है?

हमारी मांगें :

1. किराये में बढ़ोत्तरी रद्द करो ।
2. बेस्ट का बजट बी.एम्.सी के बजट में विलीन करो ।
3. निजीकरण (ठेकेदारी प्रथा) रद्द करो; बेस्ट के बेड़े (fleet) में सिर्फ बेस्ट की अपनी सार्वजनिक बसें शामिल करो।
4. बस सेवा सबको उपलब्ध होनी चाहिए; बंद किये हुए सभी लम्बी दूरी के बस मार्ग फिर से शुरू करो!
5. सार्वजनिक परिवहन बढ़ाने से पर्यावरण को भी फायदा होता है; २००० व्यक्ति के प्रति कम से कम एक बस होनी चाहिए ।
6. सार्वजनिक जमीने जनता की हैं; बेस्ट की जमीनों का मुद्रीकरण और पुनर्विकास बंद करो ।
7. डिपो में कर्मचारियों के लिए साफ़-सुथरे आरामगाह, कैंटीन तथा शौचालय होना अत्यावश्यक है।

मुंबई के नागरिकों के लिए किफायती, आरामदेह और सुरक्षित सार्वजनिक बस सेवा अत्यावश्यक है।
यह हमारा बुनियादी अधिकार है और इसे हम लेकर रहेंगे!!

आमची मुंबई
आमची बेस्ट
७ अगस्त - २०२५

आमची मुंबई आमची बेस्ट, आयटक, भाडेकरू कृती समिती, सिटू, दिशा विद्यार्थी संघटना, डेमोक्रॅटिक युथ फेडरेशन ऑफ इंडिया, फ्राइडेस फॉर फ्यूचर मुंबई, हॅबिटॅट अँड लाइवलीहुड वेल्फेअर असोसिएशन, ह्यूमनिस्ट सेंटर (दहिसर-बोरीवली), जनता केंद्र, जनवादी महिला संघटना, जन हक संघर्ष समिती, लोकराज संघटना, मुलभूत अधिकार संघर्ष समिती (मास), लोकतांत्रिक कामगार यूनियन, नागरी निवारा विचार मंच, नौजवान भारत सभा, बेस्ट निवृत्त कामगार संघटना, पुढे चला, पुरोगामी महिला संघटना, पुरोगामी विद्यार्थी संघटना, स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ़ इंडिया, सर्व श्रमिक संघटना

aamchi.best@gmail.com | amchibest.wordpress.com